सांध्य दैनिक
4PM

अपनी गलती को स्वीकारना झाड़ू लगाने के समान है जो सतह को चमकदार और साफ कर देती है।
-महात्मा गांधी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 69 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 13 अप्रैल, 2023

अजित पवार का भविष्य राकांपा... 7
नगर निकाय चुनाव में जोर आजमाइश... 3
सपा ने मेयर प्रत्याशी किये... 2

योगी ने कहा मिट्टी में मिला दूंगा

अतीक के खौफ का अंत, बेटा असद और शूटर गुलाम को मार गिराया एसटीएफ ने

- किसी को उम्मीद नहीं थी ऐसे मारा जा सकता है अतीक का बेटा
- जिस माफिया के खौफ से कांपता था यूपी उस पर जूते फेंक रहे हैं लोग
- एनकाउंटर के बाद यूपी ही नहीं देश भर में बढ़ गया योगी का कद

डीजीपी आरके विश्वकर्मा ने हफ्ते भर में दे दिया रिजल्ट

पुलिस को अत्याधुनिक विदेशी हथियार मिले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उमेश पाल हत्याकांड के मुख्य आरोपित माफिया अतीक अहमद के बेटे असद अहमद को यूपी एसटीएफ में झांसी में मुठभेड़ के दौरान मार गिराया। असद के साथ उसका साथी गुलाम भी एनकाउंटर में मारा गया है। दोनों प्रयागराज के उमेश पाल हत्याकांड में वांछित थे और प्रत्येक पर पांच-पांच लाख रुपये का इनाम था। इस दौरान पुलिस को अत्याधुनिक विदेशी हथियार बरामद हुए हैं।

इस जोड़ी ने कर दिया कमाल

डिप्टी एसपी नवेंदु और डिप्टी एसपी विमल के नेतृत्व में यूपी एसटीएफ की टीम ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। एसटीएफ के एडीजी अमिताभ यश ने जानकारी दी है कि दोनो आरोपियों को जिंदा पकड़ने की कोशिश की गई थी। मगर उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों मारे गए. अमिताभ इससे पहले भी यूपी के कई बड़े मामलों में बदमाशों पर नकेल कस चुके हैं। बिहार के भोजपुर से आने वाले अमिताभ के पिता राम यश सिंह भी आईपीएस थे। अमिताभ 2007 में मायावती सरकार में एसटीएफ एसएसपी बने। इस दौरान उन्होंने बुंदेलखंड के जंगलों में डकैत ददुआ के खिलाफ अभियान छेड़ा था और उसे मार गिराया। इसके अलावा उनकी टीम ने डकैत ठोकिया को भी मार गिराया। चित्रकूट के जंगलों को डकैतों से मुक?त कराने का श्रेय भी अमिताभ यश को जाता है। मई 2017 में योगी सरकार में वह एसटीफ के आईजी बने। वहीं डीजीपी आर के विश्वकर्मा ने भी टीम को बधाई दी है।

बेटे के एनकाउंटर की बात सुन अतीक दुखी

कोर्ट में असद के एनकाउंटर की खबर सुनकर माफिया अतीक बेहोश हो गया। शोर शराबा ज्यादा होने की वजह से पीसीआर की सुनवाई थोड़ी देर के लिए रोकनी पड़ी। अतीक और अशरफ को कोर्ट रूम से बाहर ले जाने के बाद थोड़ी देर बाद पुलिस कस्टडी रिमांड पर सुनवाई हुई। वहीं इससे पहले अतीक ने कहा था की मेरे परिवार को परेशान न किया जाए।

जो हुआ है वो अच्छा हुआ है : जया पाल

जया पाल ने एनकाउंटर के लिए यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद कहा है। उन्होंने कहा, जो हुआ अच्छा हुआ, इंसाफ की शुरुआत हुई। प्रशासन न्याय दिलाएगा। जया पाल ने आगे कहा कि सीएम योगी ने जो किया है बहुत अच्छा किया है। उन्होंने अपनी बेटी के सुहाग के कातिलों को सजा दिलाई। इंसाफ हुआ है। पुलिस ने बहुत सहयोग किया।

सपा ने मेयर प्रत्याशी किये घोषित

आठ नगर निगमों के लिए जारी की सूची

» लखनऊ से वंदना मिश्रा मैदान में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । सपा ने नगर निकायों के लिए पूरी जोर आजमाइश शुरू कर दी है। इसी के तहत लखनऊ सहित आठ नगर निगमों के महापौर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। लखनऊ से वंदना मिश्रा को उम्मीदवार बनाया गया है।

महापौर, नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत अध्यक्षों के नाम को लेकर पार्टी के नेताओं ने बुधवार को दिन भर बैठकें कीं। इस दौरान महापौर को लेकर अलग-अलग नामों पर चर्चा हुई। इसके बाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में महापौर के उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की गई। इनमें से

लखनऊ से उम्मीदवार बनाई गईं वंदना मिश्रा प्रो. रमेश दीक्षित की पत्नी हैं। इसी तरह मेरठ से विधायक अतुल प्रधान की पत्नी सीमा प्रधान, गोरखपुर से काजल निषाद, प्रयागराज से अजय श्रीवास्तव को मैदान में उतारा गया है। झांसी से सतीश जतारिया, शाहजहांपुर से अर्चना वर्मा, फिरोजाबाद से मशरूर फातिमा और अयोध्या से आशीष पांडेय को प्रत्याशी बनाया गया है। वहीं, तिलहर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष पद के लिए लाल बाबू और कुंदरकी नगर पंचायत अध्यक्ष पद के लिए शमीना खातून को उम्मीदवार बनाया गया है।

2012 में कांग्रेस से काजल लड़ी थीं चुनाव

2012 में काजल निषाद ने कांग्रेस से गोरखपुर ग्रामीण के सीट से चुनाव लड़ा था। इसमें काजल निषाद चौथे स्थान पर रही थी, तब भाजपा के टिकट पर 31.31 फीसदी वोट पाकर विजय बहादुर यादव चुनाव जीतकर विधायक बने थे। हालांकि काजल 2022 में भी समाजवादी पार्टी के बैनर तले विधानसभा में उत्तरी और गोरखपुर के कैंपियरगंज से चुनाव लड़ीं, जहां एक बार फिर काजल निषाद को हार मिली। इस बार भी हार बीजेपी के प्रत्याशी फतेह बहादुर सिंह पुत्र पूर्व मुख्यमंत्री वीर बहादुर सिंह ने 42 हजार वोटों से जीत हासिल कर ली थी। समाजवादी पार्टी ने जिस तरह से गोरखपुर में मेयर पद के लिए अपने प्रत्याशी काजल निषाद को उतारा है, उसके समीकरण फिट बैठे या नहीं यह तो चुनाव के बाद ही पता चलेगा। दूसरी ओर बीजेपी है, जहां अब तक मेयर की कुर्सी बीजेपी के खाते में ही जाती रही है। बस एक बार ट्रांसजेंडर ने बीजेपी से ये सीट 2001 में छीन ली थी। वहीं दूसरी ओर काजल निषाद हैं, जिनको दो बार विधानसभा के चुनाव में शिकस्त मिल चुकी है।

ओमप्रकाश राजभर ने पांच महापौर प्रत्याशियों के नाम किए फाइनल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर ने लखनऊ सहित पांच नगर निगम के मेयर प्रत्याशियों की बुधवार को घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि पार्टी पहले चरण में 5 नगर निगम, 87 नगर पालिका और 117 नगर पंचायतों में चुनाव लड़ने जा रही है। लखनऊ से अलका पांडे, वाराणसी से आनंद तिवारी, प्रयागराज से उपेन्द्र निषाद, गाजियाबाद से दयाराम भार्गव और कानपुर से रमेश राजभर मेयर प्रत्याशी होंगे।

राजभर ने कहा कि दिल्ली और पंजाब में मुफ्त बिजली दी जा सकती है तो उसी तर्ज पर यूपी में भी घरेलू बिजली बिल माफ होना चाहिए। तेलंगाना की तर्ज पर यूपी में भी बच्चों को मुफ्त शिक्षा मिले। उन्होंने जातीय जनगणना की मांग भी उठाई। राजभर ने कहा की पार्टी आधी आबादी के लिए लोकसभा, विधानसभा और नौकरियों में आधी सीटें आरक्षित करने की मांग करती है। इसके अलावा स्थानीय सड़क, पानी, बिजली और गृहकर आदि मुद्दों पर पार्टी चुनाव में जाएगी।

सोशल इंजीनियरिंग के सहारे निकाय चुनाव में उतरेगी बसपा : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा पुराने फार्मूले के सहारे नये चुनाव जीतने की आस में है। वह निकाय चुनाव में अपनी सोशल इंजीनियरिंग का भरपूर प्रयोग कर लोकसभा चुनाव की राह आसान करना चाहती है। इसी फार्मूले को हिट करने के लिए वह फिर दलित-मुस्लिम गठजोड़ पर फोकस कर रही है। दरअसल, थिंक टैंक का मानना है कि किसी भी तरह से मुस्लिमों को पार्टी में पुनः लाया जाए। दलित-मुस्लिम समीकरण बनेगा तो पार्टी मजबूत होगी। क्षेत्रीय वर्चस्व वाली जातियों को टिकट दिया जाए। इसी सोशल इंजीनियरिंग के सहारे पार्टी प्रदेश में चार बार सरकार बना चुकी है।

पिछले निकाय चुनाव में भी इसी समीकरण के सहारे मेरठ में सुनीता वर्मा ने महापौर पद भाजपा से छीन लिया था। वहीं, दलित-मुस्लिम समीकरण बनने से अलीगढ़ में बसपा के फुरकान विजयी रहे। अन्य दो सीटों पर पार्टी दूसरे स्थान पर रही थी।

महापुरुषों पर हो रही सियासत पर नजर

पार्टी को यह भी चिंता है कि दूसरे दल उन महापुरुषों की जयंती मना रहे हैं जिन पर बसपा अपना दावा करती रही है। जैसे सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य की ओर से रायबरेली में पार्टी संस्थापक कांशीराम की प्रतिमा की स्थापना में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव शामिल हुए। इसी तरह से महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती भी विभिन्न दलों ने मनाई। इस पर पार्टी सुप्रीमो मायावती ने तंज भी कसा कि अब ऐसे लोगों को यह महापुरुष याद आ रहे हैं जो इनका विरोध करते थे। पार्टी को यह भी चिंता है कि दूसरे दल उनके कोर वोट बैंक में सेंध लगा रहे हैं। खास तौर से दलितों में सेंध लगने से बसपा को बड़ा नुकसान हुआ है। विधानसभा चुनाव 2022 में काफी दलित पार्टी से छिटक गए।

कांग्रेस ने चुनाव कमेटी का किया गठन

» कमेटी ने दो मेयर उम्मीदवारों के नाम किये घोषित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस ने यूपी नगर निकाय चुनाव में प्रत्याशियों के चयन को लेकर चुनाव कमेटी का गठन किया है। कांग्रेस ने प्रदेश, प्रांतीय और जिला स्तर पर चुनाव कमेटी का गठन किया गया है। प्रदेश स्तर की कमेटी में कांग्रेस अध्यक्ष बृजलाल खाबरी समेत 19 और प्रांतीय चुनाव कमेटी में आठ पदाधिकारी शामिल किए गए हैं।

कांग्रेस ने वाराणसी और कानपुर से अपने मेयर पद के प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं। वाराणसी से अनिल कुमार श्रीवास्तव और कानपुर से आशनी अवस्थी को प्रत्याशी बनाया गया है। यह जानकारी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बृजलाल खाबरी की ओर से दी गई है।

ज्ञात हो कि प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में

पार्टी इन दिनों शहरी क्षेत्रों में मुस्लिम मतों को साधने के लिए रोजा इफ्तार का आयोजन कर रही है, वहीं पार्टी राहुल गांधी की सदस्यता जाने और अडानी के मुद्दे पर भी जनता का समर्थन लेकर सूबे में अपने प्रदर्शन को सुधारने की कोशिश करेगी, हालांकि पार्टी इसमें कितना सफल हो पाती है, ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

रालोद प्रत्याशी हैंडपंप चिह्न पर ही लड़ेंगे चुनाव

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे ने बताया कि उत्तर प्रदेश में होने जा रहे नगर निकाय चुनाव में राष्ट्रीय लोकदल के उम्मीदवार हैंडपंप चुनाव चिन्ह पर ही चुनाव लड़ेंगे। राज्य निर्वाचन आयोग में राष्ट्रीय लोकदल मान्यता प्राप्त राजनैतिक दल के रूप में पंजीकृत है और राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा कोई भी रिव्यू नहीं किया गया है। दरअसल, एक दिन पहले ही रालोद का राज्य स्तर पार्टी का दर्जा भारत निर्वाचन आयोग ने समाप्त कर दिया था। ऐसे में चुनाव चिह्न को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे थे। ऐसे में रालोद के सामने यह संकट खड़ा हो गया है कि यदि उसका चुनाव चिह्न हैंडपंप उसे नहीं मिला तो चुनाव में मुश्किल हो सकती है। इस पर जयंत चौधरी ने निर्वाचन आयोग को पत्र भेजकर यह मांग की थी कि उसके प्रत्याशियों को हैंडपंप चुनाव चिह्न ही इस चुनाव में दिया जाए।

देश में ही बनाए जाएंगे 300 से ज्यादा हथियार : मोदी

» प्रधानमंत्री ने 71,000 कर्मियों को बांटे नियुक्ति पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 71,000 कर्मियों को नई भर्तियों के नियुक्ति पत्र बांटे। पीएम ने वीडियो कान्फ्रेंस के जरिए इस दौरान कर्मियों को संबोधित भी किया। पीएम ने अपने संबोधन में कहा कि विकसित भारत की संकल्प से सिद्धि के लिए हमारी सरकार युवाओं की प्रतिभा और ऊर्जा को सही अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है।

पीएम ने कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेज रफ्तार से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। पूरी दुनिया कोविड के बाद मंदी से जूझ रही है, ज्यादातर देशों की अर्थव्यवस्था लगातार गिरती जा रही है, इसके बावजूद दुनिया भारत को एक उभरते सितारे के रूप में देख रही है। मोदी ने इसी के साथ एलान किया कि भारत में सेना को भी आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। पीएम ने कहा कि हमारी सरकार ने सेना के साथ 300 से ज्यादा ऐसे साजो-सामान और हथियारों की लिस्ट तैयार की है, जो अब भारत में ही बनाये जाएंगे और भारत की इंडस्ट्री से ही खरीदे जाएंगे।

दांव पर शहर, संसद पर नजर

नगर निकाय चुनाव में जोर आजमाइश, 24 की ख्वाहिश

» लोकसभा चुनाव से पहले का सेमीफाइनल

» भाजपा-सपा-बसपा और कांग्रेस ने कसी कमर

आराध्य त्रिपाठी/4पीएम न्यूज़

लखनऊ। काफी सियासी उठापटक के बाद अंततः उत्तर प्रदेश नगर निकाय चुनाव की आधिकारिक घोषणा हो गई। प्रदेश में दो चरणों में 4 मई और 11 मई को मतदान होंगे, जबकि चुनाव के नतीजे 13 मई को जारी किए जाएंगे। इन नगर निकाय चुनावों को मार्च-अप्रैल में ही हो जाना था, लेकिन आरक्षण के मामले को लेकर चुनाव टल गए थे। अब आखिरकार ये चुनाव मई में होना तय हुए हैं। इस बार के यूपी निकाय चुनाव सभी राजनीतिक दलों के लिए काफी अहम माने जा रहे हैं। क्योंकि इन चुनाव के 10-11 महीनों बाद ही 2024 में लोकसभा चुनाव होने हैं। 24 के आम चुनावों को ध्यान में रखते हुए ये यूपी के निकाय चुनाव सभी राजनीतिक दलों के लिए एक बड़ा इम्तिहान है... क्योंकि इन चुनाव के नतीजे राजनीतिक दलों के लिए 24 की तस्वीर काफी हद तक साफ कर देंगे। ऐसे में सभी राजनीतिक दलों के लिए यूपी निकाय चुनाव काफी अहम हैं। इस बार प्रदेश में 762 नगरीय निकाय में से 760 निकायों में चुनाव हो रहे हैं, जिसमें 17 नगर निगम महापौर, नगर पालिका 199 और 544 नगर पंचायत अध्यक्ष की सीटें शामिल हैं, साथ ही 13 हजार वार्ड पार्षद पद के लिए भी चुनाव हो रहे हैं।

वैसे तो ये चुनाव सभी दलों के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं और 24 के लोकसभा के सेमीफाइनल की तरह हैं। किन अगर अलग-अलग दल वार विश्लेषण करें तो सत्ताधारी भाजपा की प्रतिष्ठा इन निकाय चुनावों में दांव पर लगी हुई है। इसकी प्रमुख वजह ये है कि शहरी क्षेत्रों में माने नगर निगम चुनावों में भाजपा का प्रदर्शन अच्छा रहता है। हालांकि, नगर पालिका और नगर पंचायत सीटों पर भाजपा को कड़ा मुकाबला मिलता है और वो नगर निगम के मुकाबले पीछे रह जाती है, ऐसे में इस बार जब पार्टी केंद्र के साथ-साथ प्रदेश में भी सत्ता पर काबिज है, तो उस पर दबाव और भी बढ़ जाता है, अगर पिछले यूपी निकाय चुनावों पर नजर डालें तो भाजपा ने नगर निगम में तो बेहतर प्रदर्शन किया था, लेकिन नगर पालिका और नगर पंचायत में पार्टी पिछड़ती दिखी थी, ऐसे में इस बार भाजपा नगर पालिका और नगर पंचायतों में अधिक ध्यान देने का प्रयास करेगी, 2017 के निकाय चुनाव में भाजपा ने 16 नगर निगमों में से 14 पर जीत हासिल की थी, और सिर्फ 2 सीटों पर उसे हार का सामना करना पड़ा था,जहां मायावती की बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने अपना परचम लहराया था, लेकिन वहीं नगर पालिका और नगर पंचायत की सीटों पर भाजपा को सपा और निर्दलीय उम्मीदवारों से कड़ी टक्कर मिली थी,नगर पंचायत अध्यक्ष के चुनावों में तो भाजपा से दो गुना ज्यादा सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत हासिल की थी। ऐसे में इस बार भाजपा के लिए इन सीटों पर बेहतर प्रदर्शन करने का दबाव रहेगा। वहीं इस बार मुख्य विपक्षी दल सपा यूपी विधानसभा चुनाव के बाद से ही निकाय चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। सपा इस बार अपने पुराने एम-वाई फैक्टर के साथ-साथ दलितों को रिझाने की भी कोशिश में लगी है। इसलिए भाजपा को इस बार पिछली बार से भी अधिक मेहनत करनी पड़ेगी, वहीं शाहजहांपुर के नया नगर निगम बनने से नगर निगम की एक सीट बढ़ गई है और अब कुल संख्या 17 हो गई है, हालांकि, पार्टी के वरिष्ठतम नेता और प्रदेश की मौजूदा सरकार में वित्त मंत्री की भूमिका निभा रहे सुरेश खन्ना का ये गृह जनपद है और यहां पर उनकी पकड़ मजबूत है। ऐसे में संभव है कि ये सीट जीतना भाजपा के लिए आसान रहेगी। लेकिन एक बात ये भी है कि अब तक नगर पालिका सीट होने पर सपा यहां पर लगातार जीतती आई है। इसलिए संभव है कि मुकाबला इस बार भी रोमांचक होगा।

नगर पालिका और नगर पंचायत में भाजपा है कमजोर

वैसे भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती नगर पालिका और नगर पंचायत सीटों पर जीत दर्ज करने की है। हालांकि, इन सीटों पर अपने प्रदर्शन में सुधार करने के लिए भाजपा इस बार अपनी फितरत के विपरीत जाकर मुसलमानों को भी रिझाने का प्रयास कर रही है। उनके लिए प्रदेश में सूफी संवाद कार्यक्रम चला रही है... इसके तहत उसके नेता दरगाहों पर जा-जाकर कव्वाली के कार्यक्रम भी कराएंगे... वहीं संभावना ये भी है कि इस बार के चुनाव में पार्टी मुस्लिम उम्मीदवारों को भी टिकट देकर चुनाव मैदान में उतार सकती है। वहीं भाजपा की महिला मोर्चा टीम जिला स्तर पर महिलाओं के लिए सहभोज का आयोजन शुरू कर रही है, जिसे भी निकाय चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। सहभोज में दलित महिलाओं को खास तौर पर बुलाया जा रहा है। लाभार्थी महिलाओं को जोड़ने का खास तौर पर लक्ष्य रखा गया है क्योंकि निकाय चुनाव में 37 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं.. अब इन कार्यक्रमों से भाजपा को कितना फायदा होगा, ये तो चुनाव परिणाम के बाद ही पता चलेगा।

कांग्रेस के अस्तित्व का चुनाव

आजकल देश की राजनीति में अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही कांग्रेस भी निकाय चुनाव के जरिए प्रदेश में अपनी हिस्सेदारी को बढ़ाना चाहेगी। जाहिर है कि राज्य के शहरी क्षेत्रों में भाजपा के बाद सबसे ज्यादा पकड़ कांग्रेस की रही है, लेकिन पिछले चुनाव में नगर निगम की सीटों पर कांग्रेस का खाता तक नहीं खुला था जबकि नगर पालिका और नगर पंचायत की सीटों पर भी उसका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था, कांग्रेस शहरी क्षेत्रों में अपने खोए हुए सियासी जनाधार को दोबारा से पाने के लिए हरसंभव कोशिशों में जुटी है। प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी के नेतृत्व में पार्टी इन दिनों शहरी क्षेत्रों में मुस्लिम मतों को साधने के लिए रोजा इफ्तार का आयोजन कर रही है, वहीं पार्टी राहुल गांधी की सदस्यता जाने और अडानी के मुद्दे पर भी जनता का समर्थन लेकर सूबे में अपने प्रदर्शन को सुधारने की कोशिश करेगी, हालांकि पार्टी इसमें कितना सफल हो पाती है, ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा,इतना साफ है कि यूपी के ये निकाय चुनाव प्रदेश में सभी राजनीतिक दलों के लिए 24 की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। इसलिए हर दल काफी मजबूती से इन चुनावों में उतरने की रणनीति बना रहा है। अब जनता किसे सर आंखों पर बिठाती है और किसे गिराती है ये तो 13 मई को चुनाव परिणाम के साथ ही पता चलेगा।

सपा से मिलेगी बीजेपी को कड़ी टक्कर

.हालांकि, इस बार भाजपा के लिए चुनौतियां कम नहीं हैं... क्योंकि समाजवादी पार्टी विधानसभा चुनाव के बाद से ही निकाय चुनाव की तैयारियों में जुट गई है और पार्टी इस बार मजबूती के साथ चुनाव में उतरने की रणनीति बना रही है... ताकि भाजपा के सामने एक कड़ी चुनौती पेश कर सके, अगर पिछले चुनाव की बात करें तो नगर निगम से सपा को बहुत बड़ा झटका लगा था। पार्टी 16 में से एक भी मेयर सीट पर जीत हासिल नहीं कर पाई थी। हालांकि, नगर पालिका और नगर पंचायत की सीटों पर सपा अपने चेयरमैन बनाने में सफल रही थी। ऐसे में सपा की कोशिश इस बार मेयर की सीटों पर जीत हासिल करने की रहेगी। यही वजह है कि सपा ने काफी पहले से ही अपनी तैयारी शुरू कर दी है। और पर्यवेक्षकों की भी नियुक्ति कर चुकी है... इस बार कड़ी चुनौती पेश करने के लिए सपा एक नए राजनीतिक समीकरण के साथ मैदान में उतरने का प्लान बना रही है। अपने पुराने एम-वाई यानी कि मुस्लिम-यादव समीकरण के साथ, सपा दलितों को भी अपने साथ लाने के प्रयास में जुटी है... दलितों को साधने में जुटे सपा प्रमुख अखिलेश यादव कांशीराम की मूर्ति का अनावरण करने के बाद अब डॉ. अंबेडकर को भी अपनाने की कवायद में लगे हुए हैं। इसी क्रम में सपा प्रमुख 14 अप्रैल को आंबेडर जयंती के दिन संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के जन्म स्थान महू का दौरा करने वाले हैं.. उनके इस कदम को निकाय चुनाव को ध्यान में रखते हुए दलितों को रिझाने की नजर से देखा जा रहा है... सपा निकाय चुनाव में इसलिए भी आक्रामक रणनीति अपना रही है क्योंकि निकाय चुनाव में तो उसके पास खोने के लिए ज्यादा कुछ नहीं है।. उसका मेन फोकस 24 के लोकसभा चुनावों पर है... लेकिन अगर निकाय चुनाव में सपा को सफलता मिली, तो बेशक आगामी लोकसभा चुनाव में वो भाजपा के लिए मुसीबत खड़ी कर सकती है।

बसपा का भविष्य भी दांव पर

भाजपा और सपा के अलावा मायावती की बहुजन समाज पार्टी भी निकाय चुनाव की तारीखों का ऐलान होने के बाद एक बार फिर से एक्टिव मोड में आ गई है। चुनाव तारीखों के अगले ही दिन मायावती ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा और आगामी चुनावों के लिए पार्टी के मजबूती से लड़ने का दावा भी किया। इस दौरान मायावती ने निकाय चुनाव को ईवीएम की जगह वैलेट पेपर से करवाने की मांग भी की वैसे देखा जाए तो बसपा के लिए ये निकाय चुनाव काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि ये चुनाव उसका भविष्य तय करेंगे, कभी राज्य की सत्ता पर राज करने वाली बसपा इस बार के विधानसभा चुनाव में सिर्फ एक सीट पर समिट कर रह गई, वहीं इससे पहले लोकसभा चुनाव में भी बसपा ने अपनी धुर विरोधी सपा के साथ गठबंधन किया था, जिसके बाद पार्टी सिर्फ 10 सीटों पर जीत हासिल कर पाई थी, हालांकि, ये 10 सीटें उसके लिए उस वक्त किसी संजीवनी से कम नहीं थीं, क्योंकि 2014 के लोकसभा चुनाव में पार्टी का खाता तक नहीं खुला था। ऐसे में सपा से गठबंधन करके मायावती को काफी फायदा मिला था हालांकि, इस विधानसभा चुनाव में बसपा को तगड़ा झटका लगा है ,जसकी उम्मीद खुद मायावती को भी नहीं थ। ऐसे में इस बार मायावती एक मजबूत तैयारी के साथ निकाय चुनाव में उतरने की रणनीति बना रही हैं... क्योंकि ये चुनाव ही मायावती और बसपा का भविष्य तय करेंगे। 2017 के निकाय चुनाव में बसपा दलित और मुस्लिम समीकरण के साथ मैदान में उतरी थी।. और उसका प्रदर्शन भी बेहतर रहा था, उसने भाजपा के अलावा 2 मेयर की सीटों अलीगढ़ और मेरठ के नगर निगम में जीत भी हासिल की थी,जबकि तीन सीटों पर नंबर दो पर थी। इस बार भी बसपा इसी रणनीति और समीकरण के साथ चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी में है। लेकिन सीटों के आरक्षण में हुए फेरबदल ने सारे अरमानों पर पानी फेर दिया है... वहीं अतीक अहमद के परिवार पर कानूनी शिकंजा कसने का नुकसान भी मायावती को हो सकता है,जो कि उन्होंने साफ किया कि पार्टी अब अतीक के परिवार के किसी सदस्य को चुनाव में टिकट नहीं देगी, मायावती के लिए आगामी लोकसभा चुनाव काफी अहम है, वो निकाय चुनाव को 24 के लिटमस टेस्ट की तरह ही देख रही हैं, क्योंकि इस बार बसपा ने अकेले ही 24 के रण में उतरने का फैसला किया है, जबकि पिछली बार वो सपा के साथ गठबंधन में उतरी थी, जिसका उसे फायदा भी मिला था, ऐसे में बसपा अगर इस बार के निकाय चुनाव में सफलता हासिल करने में कामयाब नहीं रहती है, तो लोकसभा चुनाव में उसके लिए राह काफी कठिन हो जाएगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

यूक्रेन की नजर भारत पर

यूक्रेनी डिप्टी फॉरेन मिनिस्टर एमिन झापरोवा ने ये पत्र एक बैठक के दौरान विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी को दिया। पत्र में दवाओं और मेडिकल इक्विपमेंट्स समेत अतिरिक्त मानवीय सहायता देने की बात लिखी है। यूक्रेनी डिप्टी फॉरेन मिनिस्टर एमिन झापरोवा ने भारत को चीन और पाकिस्तान को लेकर सलाह दी। उनका कहना है कि भारत उन दुश्मनों को पहचाने जो सोचते हैं कि वो गलत करने के बाद बचकर निकल जाएंगे। यहं उनका इशारा भारत के पड़ोसी देश- चीन और पाकिस्तान की तरफ था।

चीन-रूस की मुलकात के बाद , युक्रेन युद्ध को रोकने के लिए कई बड़े देशों ने रूस को युद्ध खत्म करने की अपील की परंतु पुतिन ने ध्यान नही दिया। उन्होंने हालाकि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने बाद कहा कि पश्चिम देशों को आपत्ति नहीं होगी तो चीन की योजना के अनुसार युद्ध रोकने पर विचार करेंगे। वही यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने पत्र लिखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मदद मांगी है। इसमें अतिरिक्त मानवीय सहायता भेजने को कहा है। उधर, यूक्रेनी डिप्टी फॉरेन मिनिस्टर एमिन झापरोवा ने ये पत्र एक बैठक के दौरान विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी को दिया। पत्र में दवाओं और मेडिकल इक्विपमेंट्स समेत अतिरिक्त मानवीय सहायता देने की बात लिखी है। उन्होंने ने भारत को चीन और पाकिस्तान को लेकर सलाह दी। उनका कहना है कि भारत उन दुश्मनों को पहचाने जो सोचते हैं कि वो गलत करने के बाद बचकर निकल जाएंगे। यहं उनका इशारा भारत के पड़ोसी देश- चीन और पाकिस्तान की तरफ था।

नई दिल्ली में आयोजित इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स को संबोधित करते हुए एमिन झापरोवा ने कहा- पिछले साल यूक्रेन पर हुए रूसी हमले से पहले की घटनाएं इस बात का उदाहरण हैं कि खराब पड़ोसियों से कैसे निपटा जाना चाहिए। चीन और पाकिस्तान के साथ भारत के रिश्ते मुश्किल रहे हैं। क्रीमिया में जो हुआ, उससे भारत को सबक लेना चाहिए। जब भी कुछ गलत होता है अगर उसे रोका न जाए तो वो बड़ी समस्या बन जाता है। दरअसल, 2014 में रूस ने यक्रेन के क्रीमिया पर हमला करके उस पर कब्जा कर लिया था। 2016 में यूक्रेन समझ गया था कि रूसी रापति व्लादिमिर पुतिन यूक्रेन पर बड़े हमले की तैयारी कर रहे हैं। उस समय पुतिन ने यूक्रेन की सीमा पर बड़ी संख्या में सैनिकों की तैनाती कर दी थी।हालांकि, झापरोवा ने भारत-रूस ऑयल डील का जिक्र करते हुए साफ कर दिया कि यूक्रेन भारत को ये बताने की स्थिति में नहीं है कि उसे अन्य देशों के साथ कैसे रिश्ते बनाए रखने चाहिए। दरअसल, यूक्रेन पर हमले के बाद रूस पर कई प्रतिबंध लगाए गए। बावजूद इसके भारत, रूस से सस्ता तेल खरीद रहा है और इसके जरिए अपने नागरिकों को राहत दे रहा है। यूक्रेन की डिप्टी फॉरेन मिनिस्टर ने कहा हम भारत के साथ अच्छे रिश्ते चाहते हैं। उन्होंने नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजरअजीत डोवाल की रूस यात्रा का जिक्र करते हुए कहा- यूकगे जंग को लेकर मोदी समेत वर्ल्ड लीडर्स के रिएक्शन देख रहा है। हमारी नजर लीडर्स की विजिट्स पर भी है। अजीत डोवाल तीन बार मॉस्को गए। अगर वो यूक्रेन आते हैं तो उनका स्वागत है।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

गांवों में गंभीर रोगों के उपचार की पहल

मधुरेन्द्र सिन्हा

आईटी क्षेत्र में भारत का अग्रणी रहना कई मायनों में वरदान है। अब इसका असर हेल्थ सेवाओं में दिखने लगा है। हालांकि यह शुरुआती दौर में है लेकिन प्रगति तेजी से हो रही है। बीमारियों और मरीजों की पहचान से लेकर उनके इलाज तक के लिए डिजिटल सेवाओं का इस्तेमाल अब आम होता जा रहा है। कोविड काल में जिस तरह से करोड़ों लोगों को टीके दिये गये और उनके रिकॉर्ड आसानी से उपलब्ध हो गये। अब ऑनलाइन सेवाएं तो उपलब्ध होती ही जा रही हैं, हर व्यक्ति का स्वास्थ्य रिकॉर्ड डिजिटल होता जा रहा है और डॉक्टरों के लिए उसे एक्सेस करना आसान भी है।

इस दिशा में गोवा ने बहुत तरक्की की है और वहां के गांवों में भी डिजिटल सेवाओं ने अपनी पैठ बना ली है। वहां के प्राइमरी हेल्थ सेंटरों में भी डिजिटल सेवाएं हैं और डॉक्टर तथा मेडिकल स्टाफ इसके लिए पूरी तरह से प्रशिक्षित हैं। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण गोवा शहर से 20 किलोमीटर दूर कोर्लिम में है जिसे स्थानीय भाषा में खोर्ले भी कहते हैं। इस सेंटर में आयुष्मान भारत के एप के जरिये आभा आईडी न केवल सृजित किये जाते हैं बल्कि इलाज भी किये जाते हैं। अब तक हजारों लोगों ने यह आईडी बनवायी है क्योंकि यह सिर्फ एक मिनट में ही बन जाता है। उस व्यक्ति की स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां डिजिटल हो जाती हैं जो डॉक्टर कहीं भी, कभी भी देख सकते हैं, उसका निदान कर सकते हैं। इस सेंटर में टेलीमेडिसिन और टेली कंसल्टेशन की पूरी सुविधा है। इस सेंटर में इम्युनाइजेशन का भी काम चलता रहता है और गांव के लोग उसका फायदा उठाते रहते हैं। यहां के मेडिकल ऑफिसर इंचार्ज डॉक्टर केदार रायकर बताते हैं कि हम ये जानकारियां बड़े सेंटर या फिर गोवा मेडिकल कॉलेज तक आसानी से पहुंचा देते हैं और वहां से निदान हो जाता है। खोर्ले के इस छोटे से सेंटर में दिल के दौरे और स्ट्रोक का भी निदान होता है और जरूरत पड़ने पर मरीजों को एंबुलेंस से बड़े अस्पताल में ले जाया जाता है।

लेकिन जो बेसिक सेंटर सबसे ज्यादा हैरान करता है वह है धारबंदोरा तालुका का बेसिक हेल्थ सेंटर, जिसमें 15 बेड तो हैं ही, यहां डायलिसिस की बड़ी सुविधा है तथा कैंसर की पहचान होती है। यहां हर महीने औसतन 5000 मरीजों का इलाज होता है। इसके लिए यहां पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह फाउंडेशन ने कैंसर की पहचान के लिए आठ लाख रुपये कीमत की एक मशीन दी है जिससे कई महिलाओं के स्तन

कैंसर का इलाज होता है। इंचार्ज डॉक्टर संदेश मडकाइकर बताते हैं कि यहां कैंसर की पहचान के लिए व्यवस्था है और ऐसे मरीजों के रिकॉर्ड मेडिकल कॉलेज भेजे जाते हैं तथा उनके इलाज की व्यवस्था होती है। तालुका के इस सेंटर में दिल के मरीजों के इलाज की व्यवस्था की जाती है। यहां आंखों के चेकअप और ऑपरेशन की भी व्यवस्था है। इम्युनाइजेशन की यहां बेहतरीन और व्यवस्थित व्यवस्था है। यह बेसिक सेंटर पूरे भारत के लिए एक मिसाल है जहां वह सुविधाएं हैं जो बड़े-बड़े अस्पतालों में भी नहीं हैं। गांव में बना एक सरकारी अस्पताल जहां डायलिसिस होता है, कैंसर और दिल की बीमारियों का निदान होता है देश के सामने एक उदाहरण है। सारा कुछ बिल्कुल मुफ्त। स्वास्थ्य सचिव कहते हैं कि यह तो शुरुआत है, अब तक ढाई लाख से भी ज्यादा आभा आईडी सृजित किये जा चुके हैं। गोवा डिजिटल हेल्थ सेवाओं के मामले में देश का अग्रणी राज्य बन चुका है। दुनिया के सबसे खूबसूरत गांवों में से एक अलडोना गोवा का ही एक और बेसिक सेंटर है जो मेडिकल सुविधाओं से पूरी तरह से लैस है। यहां जनरल ओपीडी से लेकर इमर्जेंसी तक से निपटने की व्यवस्था है। दिल की बीमारियों का पता लगाने के लिए एसटीईएमआई प्रोग्राम भी है। ई-संजीवनी के जरिये ऑनलाइन इलाज की भी सुविधा यहां है। अन्य हेल्थ सेंटरों की तरह ही यहां भी मुफ्त दवाइयां दी जाती हैं। इसका मतलब हुआ कि मरीज को अपने संग पुराने नुस्खे वगैरह नहीं ले जाना होता है। कंप्यूटर के एक क्लिक से सभी कुछ उपलब्ध हो जाता है। गांव का यह सेंटर इस मायने में भी अलग है कि जरूरत पड़ने पर डॉक्टर मरीजों के घर भी चले जाते हैं। दिसंबर से यहां दिल के रोग की पहचान की व्यवस्था है। गंभीर रोगियों को गोवा मेडिकल कॉलेज ले जाया जाता है।

गोवा की हेल्थ सेवाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग हो रहा है, जिससे मरीजों के इलाज में काफी मदद मिल रही है। यहां डिजिटल सेवाओं पर बहुत जोर है जिससे मरीजों का इलाज करना आसान हो गया है। भारत का यह सुरम्य राज्य देश के अन्य राज्यों के लिए एक उदाहरण पेश करता है। अब तक केरल के बारे में कहा जाता था कि वह इस मामले में अग्रणी है लेकिन गोवा अब नई मिसाल बना है। समय आ गया है कि हरियाणा, पंजाब जैसे राज्य भी इसका अनुकरण करें और जनता को स्वस्थ बने रहने में मदद करें।

पाकिस्तान में आपातकाल जैसे हालात

केएस तोमर

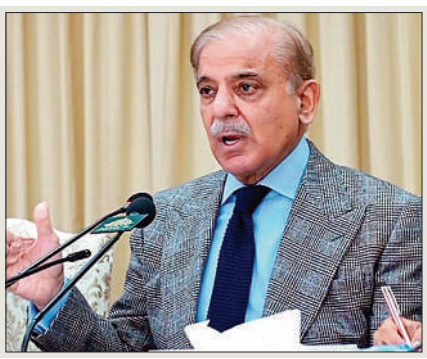

पाकिस्तान ऐसे दौर से गुज़र रहा है जहां आर्थिक दिवालियापन, राजनीतिक उथल-पुथल और अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है। इस स्थिति में देश के प्रमुख राजनीतिक दलों और न्यायपालिका में बड़े टकराव ने,जिनमें सत्ताधारी पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) भी शामिल है, हालात और बिगाड़ दिए हैं। यदि स्थिति में सुधार न हुआ तो पूरी व्यवस्था ठप्प हो जाएगी और सेना को एक बार फिर सत्ता हथियाने का अवसर मिल जाएगा। हालात इस कदर बिगड़ चुके हैं कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अपनी कुर्सी बचाने के लिए देश में आपातकाल की घोषणा कर सकते हैं। राष्ट्रपति अली द्वारा प्रमुख न्यायाधीश के अधिकारों में कटौती के बिल को बिना हस्ताक्षर वापस करने की घटना ने पाकिस्तान में चल रहे गतिरोध को एक नयी दिशा प्रदान कर दी है। राष्ट्रपति ने बिल पर हस्ताक्षर न कर और बयान देकर विरोध जताया कि इससे न्यायपालिका की स्वतंत्रता में अनावश्यक हस्तक्षेप होगा। पाकिस्तान के जानकारों का कहना है कि राष्ट्रपति पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी हैं। राष्ट्रपति मनोनीत होने से पहले वे उनकी तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से एक थे।

पाकिस्तान में एक बार फिर 1977 के हालात की पुनरावृत्ति होती नजर आ रही है। उस समय के राष्ट्रपति फारूक लेघारी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर उन्हें बर्खास्त कर दिया था। उस समय सज्जाद अली शाह जिन्हें भुट्टो सरकार ने दो वरिष्ठ न्यायाधीशों को किनारे कर मुख्य न्यायाधीश बनाया था, ने ही बेनजीर भुट्टो की बर्खास्तगी को सही ठहराया था। जजों की खंडपीठ ने एकमत से फैसला दिया था कि राष्ट्रपति के आदेश में काफी सही आरोप थे। जिनसे यह सिद्ध होता है कि दिशा-निर्देशों के अनुसार सरकार नहीं चल सकती और ऐसे में नए चुनाव करा कर मतदाताओं की राय जानना जरूरी है।

मौजूदा टकराव प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग पार्टी और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के बीच ही नहीं है बल्कि अधिक गम्भीर है। जिससे पाकिस्तान में पूरी प्रशासनिक व्यवस्था ठप्प होने के कगार पर है। दोनों नेता अपने-अपने कारणों से न्यायपालिका पर निशाना साध रहे हैं। जिससे सेना द्वारा हस्तक्षेप की सम्भावनाएं बढ़ गयी हैं। इमरान खान के इस बयान को हल्के से नहीं लिया जा सकता कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ऐसे हालात बना रहे हैं ताकि न्यायपालिका और सेना में टकराव हो। इमरान चुनाव कराए जाने का दबाव बना रहे हैं लेकिन प्रधानमंत्री शरीफ चुनाव टालना चाहते हैं। इस समय जनता उनके पक्ष में नहीं है और पाकिस्तान भी श्रीलंका की तरह आर्थिक दिवालियापन की राह पर है। एक नये घटनाक्रम में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने न्यायपालिका के साथ अब तक का सबसे बड़ा टकराव मोल ले लिया जब उन्होंने राष्ट्रीय असेंबली में मुख्य न्यायाधीश की शक्तियां कम करने का बिल पास करवा लिया। प्रधानमंत्री ने एक बयान में कहा कि इतिहास हमें माफ नहीं करेगा यदि मुख्य न्यायाधीश की शक्तियों पर अंकुश न लगाया गया क्योंकि वह इन शक्तियों का उचित प्रयोग नहीं कर रहे।

इस बिल में यह प्रावधान रखा गया था कि मुख्य न्यायाधीश स्वयं किसी भी मामले का संज्ञान लेकर और पीठ का गठन कर महत्वपूर्ण मामलों में कार्रवाई आरम्भ नहीं कर सकते। उधर, लंदन में रह रहे पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने उच्चतम न्यायालय पर प्रहार करते हुए आरोप लगाया है कि 2017 के बाद देश में बिगड़ते हालात के लिए उच्चतम न्यायालय ही जिम्मेदार है। उन्होंने याद दिलाया कि 1997 में इमरान खान की तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी ने धमकियां देकर मुख्य न्यायाधीश सज्जाद अली शाह को चुप करा दिया था। यद्यपि पाकिस्तान में बिगड़ते हालात के बावजूद सेनाध्यक्ष जनरल आसिफ़ मुनीर ने अपने हस्तक्षेप का कोई इशारा नहीं दिया है लेकिन वह स्थायी तौर पर चुप बैठे रहेंगे, सम्भव नहीं है। पाकिस्तान में हालात बिगाड़ने पर सेना द्वारा तख्ता पलट के कई उदाहरण हैं। पहले सत्ता सम्भालने वाले सेनाध्यक्षों से विपरीत जनरल आसिफ़ मुनीर यह संदेश देने का झूठा प्रयास कर रहे हैं कि मौजूदा राजनीतिक उठा-पटक में वह किसी के पक्ष में नहीं हैं।

लेकिन यह संदेश तो जाता है कि सेना इमरान खान सरकार के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के पक्ष में नहीं है, जिसका लाभ शहबाज शरीफ सरकार को मिल सकता है। इमरान खान पूर्व सेनाध्यक्ष कमर जावेद बाजवा का खुल कर विरोध कर चुके हैं, जो 2022 में सेवानिवृत्त हुए थे। एक अन्य घटनाक्रम का घाटा इमरान खान को पहुंचेगा, जिसमें सेनाध्यक्ष ने चुनाव आयोग को स्पष्ट कर दिया है कि सेना पंजाब प्रांत में चुनावों की निगरानी नहीं कर पाएगी क्योंकि इस क्षेत्र में कई उग्रवादी संगठन सक्रिय हैं और वे सुरक्षाबलों को निशाना बना रहे हैं, साथ ही अफगानिस्तान के साथ लगते खैबर पख्तून्वा इलाके में हालात खराब हैं। इसका सीधा लाभ शरीफ सरकार को मिल रहा है जो चुनाव नहीं कराने के पक्ष में हैं। वहीं चीनपाकिस्तान के राजनीतिक हालात पर पैनी नजर रख रहा है। वजह है इस क्षेत्र में अमेरिका के प्रभाव को कम करने के लिए चीन को पाकिस्तान की जरूरत है। अमेरिका क्वाड आदि नये संगठन बनाकर एशिया क्षेत्र में चीन का दबाव कम करने की रणनीति पर काम कर रहा है। हाल ही में पाकिस्तान को दिवालियापन से बचाने के लिए चीन ने 70 करोड़ डॉलर का ऋण दिया है।

देश-विदेश में सेवाएं दे रहे हैं भारतीय नर्सिंग स्टाफ

आकर्षक वेतन

नर्सिंग में प्रशिक्षित युवक-युवतियों को निजी अस्पतालों में शुरुआत में 20 हजार रुपये तक मासिक सैलरी आराम से मिल रही है। सरकारी अस्पतालों में स्टाफ नर्स/नर्सिंग आफिसर के रूप में चयन होने पर शुरुआत में कुल मासिक वेतन लगभग 45,000 से 60,000 रुपये और अन्य भत्ते मिलते हैं। विदेश में प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ को अच्छी सैलरी के साथ-साथ फैमिली वीजा सहित दूसरे कई आकर्षक लाभ भी मिलते हैं।

प्रमुख संस्थान

एम्स, नई दिल्ली
आइपी यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
आचार्य इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेज, बेंगलुरु
बीएचयू, वाराणसी
डीपीएमआइ, नयी दिल्ली

शैक्षिक योग्यता

नर्सिंग में अंडरग्रेजुएट कोर्स करने के लिए 'नीट' (नेशनल एलिजिबिलटी कम एंट्रेंस टेस्ट) उत्तीर्ण करना जरूरी है, तभी बीएससी नर्सिंग जैसे चार वर्षीय कोर्स में दाखिला ले सकते हैं। नीट हर साल नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित किया जाता है। इस परीक्षा में शामिल होने के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलाजी और इंग्लिश विषय से 12वीं करने वाले उम्मीदवार शामिल हो सकते हैं। यदि जनरल नर्सिंग ऐंड मिडवाइफरी (जीएनएम), एग्जिलरी नर्स मिडवाइफरी (एएनएम) जैसे कोर्स करना चाहते हैं, तो इसे क्रमश: 12वीं तथा 10वीं के बाद किया जा सकता है। जीएनएम तीन वर्ष की अवधि का कोर्स है, जबकि एएनएम कोर्स की अवधि दो वर्ष है।

नर्सिंग करने वालों के लिए करियर में हैं अपार संभावनाएं

प्रशिक्षण को बढ़ावा

इंडियन नर्सिंग काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार देश में अभी पांच हजार से अधिक (लगभग 5162) नर्सिंग संस्थान हैं, जिनमें सरकार द्वारा संचालित संस्थानों की संख्या 13 प्रतिशत के लगभग है। ऐसे में आम बजट में 157 नये नर्सिंग कालेज खोलने की घोषणा के बाद नर्सिंग में करियर बनाने की चाह रखने वाले दूरदराज के युवाओं को इससे संबंधित कोर्स का लाभ अब उनके घर व शहर के आसपास ही मिल सकेगा।

हाल ही में पेश आम बजट में देश के प्रमुख स्थानों पर 157 नए नर्सिंग कालेज खोलने की घोषणा के बाद माना जा रहा है कि इससे न केवल नर्सिंग स्टाफ की कमी दूर हो सकेगी, बल्कि यहां संचालित होने वाले नए पाठ्यक्रमों से अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों को संचालित करने में सक्षम प्रशिक्षित कामगार भी तैयार किए जा सकेंगे। सरकार की ओर से स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इससे युवाओं को अपने शहर में ही नर्सिंग कोर्स करने और उसके बाद सरकारी-निजी अस्पतालों, नर्सिंग होम, एंबुलेंस सर्विसेज, क्रिटिकल केयर, मेंटल हेल्थ तथा जिरियाट्रिक केयर जैसे क्षेत्र में नौकरी के अवसर मिल सकेंगे। सभी देश इनदिनों अपने हेल्थ केयर सिस्टम को मजबूत करने पर ज्यादा जोर दे रहे हैं, इसलिए भी प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ की ज्यादा मांग देखी जा रही है। वैसे, आज के समय में फिलीपींस के बाद भारत दूसरा ऐसा देश है, जहां के प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ दुनिया के विभिन्न देशों में सबसे अधिक सेवाएं दे रहे हैं।

तीन तरह के होते हैं कोर्स

नर्सिंग में तीन तरह के कोर्स होते हैं। इस क्षेत्र में एएनएम और जीएनएम (जनरल नर्सिंग ऐंड मिडवाइफरी) का कोर्स कर सकते हैं। यह डिप्लोमा स्तर का कोर्स है। इसी तरह बीएससी नर्सिंग और पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग का कोर्स है, जो ग्रेजुएट स्तर का कोर्स है।

हंसना मना है

साइंस की टीचर क्लास में पढ़ा रही थी, टीचर ने पप्पू से कहा- तू बता जिन्दा रहने के लिए क्या क्या चीजें जरुरी हैं, पप्पू -नहीं पता, मैडम, टीचर-अरे जो आता है वही बता, पप्पू- जिन्दा रहने के लिए तेरी कसम, एक मुलाकात जरुरी है सनम, दे थप्पड़ दे थप्पड़।

टीचर- तुम परिंदो के बारे में सब जानते हो संजू- हां, टीचर- अच्छा ये बताओ कौन सा परिंदा उड़ नहीं सकता, संजू- मरा हुआ परिंदा, भाग पागल कहीं का।

टीचर- मैं सुंदर थी, सुंदर हूं, सुंदर रहूंगी। इसी तरह तीनों काल का उदाहरण दो। हरयाणवी छात्र- तन्नै वहम था, तन्नै वहम है, तन्नै वहम रवैगा। टीचर- नालायक, तमीज से बताओ। छात्र- आदरणीय मैडम जी आप भूंडी थी, भूंडी हैं, भूंडी रहेंगी।

बच्चा घर से मार खा कर स्कूल जा रहा था, रास्ते में किसी ने पूछा- बेटा पढ़ते हो, बच्चा- नहीं !! स्कूल ड्रेस पहन के तेरे बाप की बारात में जा रहा हूं।

टीचर क्लास में- दिल्ली में कुतुब मीनार है.. पप्पू क्लास में सो रहा था..टीचर ने उसे जगाया और पूछा-बता मैंने अभी क्या बोला.. पप्पू- दिल्ली में कुत्ता बीमार है।

कहानी | क्रोधित राजा और ऋषि

ढोलकपुर नाम के साम्राज्य में एक जाने-माने ऋषि रहते थे, जो लोगों का भाग्य बताने के लिए प्रसिद्ध थे। उस राज्य का हर व्यक्ति उनके बारे में जानता था। एक दिन ऋषि के बारे में वहां के राजा को भी पता चला। राजा के मन में भी अपने भविष्य को जानने की इच्छा होने लगी। उसने अपने सैनिकों को ऋषि के पास भेजा और पूरे सादर-सम्मान से उन्हें महल लेकर आने का आदेश व आमंत्रण दिया। सैनिक ऋषि के पास गए और ऋषि को राजा का आमंत्रण सुनाते हुए उनसे महल चलने की प्रार्थना करने लगे। ऋषि तैयार हो गए। जब ऋषि महल पहुंचे, तो राजा ने बड़े ही उत्साह से उनका स्वागत-सत्कार किया और उन्हें अपने दरबार में सम्मान के साथ बैठाया। जब ऋषि ने थोड़ा आराम कर लिया, तो राजा ने ऋषि के सामने अपने मन की इच्छी रखी और उनसे अपने भविष्य के बारे में पूछा। ऋषि ने राजा से उसकी जन्मकुंडली मंगाई और उसे ध्यान से देखने लगे। कुछ देर तक राजा की कुंडली देखने के बाद ऋषि ने राजा को बताया कि भविष्य में उनका भाग्य आशीर्वाद भरा हुआ है और जीवन में सबकुछ अच्छा ही होगा। इस तरह ऋषि ने राजा के भाग्य में बारे में अच्छी-अच्छी बातें बताई। राजा खुद से जुड़ी अच्छी भविष्यवाणी सुनकर बहुत प्रसन्न हुआ। उसने ऋषि को सोने और चांदी का उपहार दिया। राजा ने ऋषि से अपने भविष्य से जुड़े दुर्भाग्य के बारे में पूछा। ऋषि ने राजा के दुर्भाग्य से जुड़ी बातें भी बता दीं। उन्हें सुनकर राजा बहुत क्रोधित हो गया। वह गुस्से में ऋषि पर चिल्लाने लगा और धमकाते हुए कहा कि इतनी बेतुकी बातें करने की आपकी हिम्मत भी कैसे हुई। राजा ने तलवार निकाली और कहा कि अब मुझे मेरी मृत्यु का समय बताओ। ऋषि समझ चुका था कि राजा अपना दुर्भाग्य सुनकर उसपर क्रोधित हो गया है। वह शांति से कुछ गणना करने लगा। फिर कहा कि आपकी मृत्यु मेरी मृत्यु के ठीक एक घंटे बाद होगी।'राजा ऋषि की यह बात सुनकर हैरान हो गया। अब उसे अपनी गलती का एहसास होने लगा। उसने तुरंत अपनी तलवार नीचे रखी और ऋषि के साथ किए गए अपने दुर्व्यवहार के लिए उनसे माफी मांगी। बाद में राजा ने ऋषि को ढेर सारा धन दिया और उन्हें वापस कुटिया में आदर व सम्मान के साथ भेज दिया।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

पैसे की ज्यादा उम्मीद लगाने से नुकसान की परिस्तिथियां बन सकती है। आज युवाओं को कारोबार, नौकरी की तलाश में सफलता मिलेगी।

वृषभ

खुद पर ज्यादा ध्यान देंगे और अच्छा खासा खर्चा भी कर सकते हैं, जिससे आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। अपनी वाणी से लोगों को अपना बनाने का प्रयास करेंगे।

मिथुन
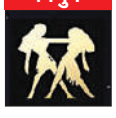
आज कई दिनों से चली आ रही उलझन समाप्त हो जायेगी। कार्यों में जीवनसाथी का सहयोग मिलाने से आप अपने कार्य समय से पहले पूरा करने में सफल होंगे।

कर्क

आज किसी जरुरतमंद की मदद करने से आपको लाभ होगा। व्यापारियों के लिए आज का दिन अच्छा रहने के संकेत है। आय में बढ़ोतरी के आसार हैं।

सिंह

खर्चों में अधिकता होने से मन पर एक बोझ बढ़ेगा। मानसिक चिंताएं बढ़ेंगी। सेहत भी कमजोर रहेगी। किसी काम में मन कम लगेगा लेकिन भाग्य के सहारे कई काम बन जाएंगे।

कन्या

आज कारोबार में लाभ होने के योग बन रहे हैं। कार्यों में भाई-बहन का सहयोग प्राप्त होगा। आज सही योजना के तहत करियर में बदलाव लायेंगे।

तुला

आज का दिन आपके लिए भाग्यशाली है। भाग्यवृद्धि के लिए अवसर सामने आएंगे। आज शरीर में आलस रहने के कारण आप अपने कार्यों को सही तरीके से पूरा नहीं कर पायेंगे।

वृश्चिक

यात्रा पर जाने के लिए समय शुभ नहीं है, दिक्कतें आ सकती हैं, इसलिए ना जाएं। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा लेकिन किसी छोटे सदस्य की सेहत बिगड़ सकती है।

धनु
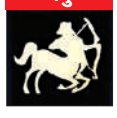
आज आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। आज आपका स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा। आज परिवार में एक दूसरे के साथ आपसी सामंजस्य बेहतर होंगे।

मकर

मकर राशि वाले आय-व्यय में नियंत्रण रखें। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी। जमीन जायदाद के लिए विवाद हो सकता है। विरोधी सक्रीय होंगे।

कुम्भ

कहीं दूर जाने का विचार बनाएंगे लेकिन फिलहाल के लिए यह सब रद्द कर दें क्योंकि समय अनुकूल नहीं है। इनकम में गिरावट आ सकती है और खर्चों में बढ़ोतरी होगी।

मीन

आज कार्यों में परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। आज आपकी सेहत अच्छी बनी रहेगी। ज्यादा तली-भुनी चीज़े खाने से बचें, नहीं तो एसिडिटी की समस्या हो सकती है।

फैंस पर चढ़ा किसी का भाई किसी की जान का सुरुर

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान को लेकर काफी बज़ बना हुआ है। 10 अप्रैल को फिल्म का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है, जिसके बाद भाईजान के फैंस उनकी इस फिल्म को लेकर और भी ज्यादा उत्साहित हैं। इस बीच फिल्म को लेकर अच्छी खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पूजा हेगड़े सलमान खान, शहनाज गिल स्टारर किसी का भाई किसी का जान की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। इस फिल्म से सलमान चार साल बाद बड़े पर्दे पर कमबैक कर रहे हैं। यही वजह है कि उनके फैंस को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म की एडवांस बुकिंग लंदन में शुरू हो गई है। वहीं, यह भी कहा जा रहा है कि किसी का भाई किसी की जान को लेकर फैंस इतने एक्साइटेड हैं कि ऑस्ट्रेलिया और कुछ यूरोपियन देशों में टिकट की बिक्री फिल्म के ट्रेलर रिलीज से पहले ही शुरू हो गई थी। एक मीडिया संस्थान

अभी से शुरू हुई फिल्म की एडवांस बुकिंग

की रिपोर्ट की मानें तो , कहा जा रहा है कि मिडल ईस्ट में भी फिल्म की एडवांस बुकिंग जल्द शुरू होनेवाली है। हालांकि, इसे लेकर किसी भी तरह की अधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। इसके साथ ही इस बात की भी पुष्टि नहीं की गई है कि भारत में इस फिल्म की एडवांस बुकिंग कब से शुरू की जाएगी। खबरों की मानें तो फिल्म के मेकर्स ने यह फैसला लिया है कि किसी का भाई किसी की जान की एडवांस बुकिंग 17 अप्रैल से शुरू की जाएगी ।मौका मुबारक ईद का हो और सलमान बॉक्स ऑफिस पर न दिखे ऐसा हो सकता है क्या भला। ईद हमेशा से ही दबंग खान के लिए काफी लकी साबित हुई है। इस फिल्म से पहले भी ऐसी कई सारी फिल्में हैं, जो इस मौके पर रिलीज हो चुकी हैं। इसमें बॉडीगार्ड, एक था टाइगर, किक, बजरंगी भाईजान और सुल्तान जैसी की फिल्में शामिल हैं।

बड़े परदे की तैयारी में रवीना की बेटी राशा

बॉक्स ऑफिस के फिर से बादशाह बन चुके अभिनेता शाहरुख खान की बिटिया सुहाना के बाद लाइमलाइट में आने की बारी अब अभिनेत्री रवीना टंडन की बिटिया की है। रवीना की शादी देश के सबसे बड़े फिल्म वितरकों में से एक अनिल थडानी से हुई है और दोनों की बिटिया ने सोशल मीडिया पर स्कूल से विदाई का अपना एक वीडियो डालकर एक तरह से ये एलान कर दिया है कि पढ़ाई लिखाई खत्म, अब बारी बड़े परदे की है। राशा थडानी ने अपने स्कूल फेयरवेल के बाद जो वीडियो पोस्ट किया है, उसमें उन्होंने यादों को संजोया है। राशा ने अपनी पढ़ाई पूरी करने को एक तरह से खुद को लाइमलाइट में लाने का मौका बनाया है। सोशल मीडिया पर साझा किए वीडियो के साथ वह लिखती हैं, हमारा स्कूल का आखिरी दिन, हमारा दूसरा घर। 14 साल। मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि इतना लंबा समय खत्म हो गया है। हम अपने सीनियर्स को एक के बाद एक बैच ग्रेजुएट होते हुए देखते थे, हमने कभी उम्मीद नहीं की थी

बॉलीवुड | मसाला

कि हमारा आखिरी दिन इतनी जल्दी आ जाएगा। राशा आगे लिखती हैं, जीवन में कुछ भी हासिल करने के लिए स्कूल निश्चित रूप से मेरे लिए पहला कदम रहा है, अपने पहले मील के पत्थर को पार करने पर मुझे गर्व है क्योंकि मैंने अपनी आगे की यात्रा के लिए कदम उठाया है। अपने जीवन के एक महत्वपूर्ण अध्याय का समापन करते हुए, मैं यादों, अनुभवों और सीखों के एक पिटारे के साथ, लोगों के सबसे अद्भुत ग्रूप के बदौलत आगे बढ़ रही हूं। रवीना टंडन की बिटिया देखने में किसी हीरोइन से कम नहीं है। सोशल मीडिया पर उनका अंदाज भी निराला ही रहा है। वह लिखती हैं, हर साल पीछे मुड़कर देखने पर, विज्ञान, गणित, इतिहास, भूगोल, नए शिक्षक, एक अच्छी स्टूडेंट होने के लिए गोल्ड स्टार्स, किताबें भूल जाना, कक्षा में खाना, और निश्चित रूप से पकड़े जाना, ये सब अब मेरे जीवन की अनमोल यादे हैं। मैं आभारी हूं कि मुझे ऐसी रोमांचक यात्रा का सफ़र करने का अवसर मिला।

बॉलीवुड | न्यू फेस

फिल्मों में एंट्री से पहले ही शाहरुख की लाडली बनी फेमस ब्रांड का फेस

शाहरुख खान की लाडली सुहाना खान फिल्मों में आने से पहले ही सोशल मीडिया स्टार बन चुकी हैं। इंस्टाग्राम पर उनके चाहने वालों पर खूब प्यार बरसाते हैं। वह जल्द ही निर्देशक जोया अख्तर की नेटफ्लिक्स रिलीज फिल्म द आर्चीज से बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत करने जा रही हैं। जिसमें उनके साथ बोनी कपूर की बेटी और अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा भी नजर आने वाले हैं। हालांकि, अब सुहाना खान को एक्टिंग में अपना टैलेंट दिखाने से पहले ही एक बहुत बड़ा मौका मिला है। वह फेमस ब्यूटी ब्रांड की ब्रांड एम्बेसडर बन गई हैं। 22 साल की सुहाना कम उम्र में भी खूबसूरती के साथ-साथ अपना बोल्ड अंदाज दिखाने से कभी पीछे नहीं रही हैं और ऐसा ही एक बार फिर देखने को मिला। सुहाना को न्यूयॉर्क स्थित एक ब्यूटी ब्रांड को अपना नया फेस बनाया। इसका हाल ही में एक इवेंट भी हुआ, जिसकी फोटोज और वीडियो इंटरनेट पर वायरल हुई। इस इवेंट में चटकीली रेड पैंट्स के साथ क्रॉप जैकेट में नजर आईं। उन्होंने ब्यूटी ब्रांड का नया चेहरा बनने पर अपनी खुशी भी व्यक्त की। हालांकि, एक तरफ जहां कुछ लोग उन्हें नेपो किड कहकर ट्रोल करने से बाज नहीं आए, तो वहीं उनकी एक अदा ने फैंस को कई इतना इम्प्रेस किया कि उन्होंने सुहाना खान को बॉलीवुड की अगली दीपिका पादुकोण कहते दिखे। सुहाना खान को ब्रांड का हिस्सा बनने पर फैंस बधाई दे रहे हैं। एक यूजर ने उनकी वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा, ये बहुत ही एलिगेंट और प्यारी है, सुहाना को देखने के लिए मैं बहुत ही एक्साइटेड हूं। दूसरे यूजर ने लिखा, सुहाना खान अगली दीपिका पादुकोण हैं। सुहाना खान ने मंच पर जिस तरह से अपनी खुशी व्यक्त की और ब्रांड का हिस्सा बनने पर बात की, उसे देखने के बाद लोग उनके आत्मविश्वास की तारीफ करते हुए नहीं थक रहे हैं।

अजब-गजब | 1800 साल पुराने कंकाल के साथ मिले गहने-जेवरात

दफन करने से पहले लड़कियों को पहनाए जाते थे गहने

जब कहीं पुरातत्व विद खुदाई करते हैं एक नई परंपरा नई संस्कृति और नए रहस्यों का पता चलता है जिससे दुनिया खुदाई के पहले तक अंजान हुआ करती थी। यही वजह है कि धरती के गर्भ से निकले रहस्य लोगों को हैरान भी कर देते हैं। कुछ ऐसा ही रहस्य उजागर हुआ इजरायल के यरुसलम के खंडहरों में हुई खुदाई में। खुदाई में 1800 साल पुराने कंकाल मिले हैं। जिनके साथ कुछ ऐसा भी मिला जिसने बहुत से सवाल खड़े किए और लोगों को अचरज में भी डाल दिया।

1800 साल पहले मौत के बाद लड़कियों को दफनाते वक्त गहनों से सजाया जाता था। जिसके सबूत तब मिले जब 1800 साल पुराने कंकाल बाहर निकाले गए, जिनमें लड़कियों के कंकाल गहनों से सजे मिले। इसके पीछे एक मान्यता थी की मौत के बाद लड़कियों की सुरक्षा की जा सके। गहनों के साथ मिले कंकाल इजराइल के येरुशलम के खंडहरों पर बने एलिया कैपिटोलिना की खुदाई में मिला है। इजरायल के पुरातत्वविद येल एडलर के नेतृत्व में ये खुदाई शुरू हुई थी। जिसमें लड़की के कंकाल के साथ ढेर सारे गहने मिले। जिनमें इयरिंग्स, हेयर क्लिप, सोने का लॉकेट, गोल्ड बीड्स, ग्लास बीड्स इत्यादि शामिल हैं। हालांकि अब येल एडलर की मौत हो चुकी है। लेकिन उससे पहले ही 1971 में एडलर ने ये कूट कर ली थी जिसका खुलासा बुक किया गया है खुदाई के प्रोजेक्ट का नाम 'पब्लिकेशन ऑफ पास्ट एक्सक्यूशन प्रोजेक्ट' है जिसमें वे खुदाई से जुड़ी अधूरी रिपोर्ट्स को पब्लिश किया जाता है। 1971 में खोजे गए गहनों पर रोमन चंद्र देवी, लूना के प्रतीक मिले। जो लड़कियों की सुरक्षा करती थीं। जिस वक्त के ये सभी अवशेष मिले हैं उस दौरान हर परिवार अपनी बेटियों को गहनों से भरपूर सजाकर रखता था। जिसके पीछे मान्यता थी की ये गहने उनकी सुरक्षा करेंगे। और जब बेटियों की मौत हो जाती थी तो भी उनके शरीर से ये जेवर उतारे नहीं जाते।

बल्कि जेवरात के साथ ही उन्हें दफन कर दिया जाता था। इसके पीछे मान्यता थी कि जो गहने उनके जीवित रहते सुरक्षा के लिए पहनाए गए थे। मौत के बाद भी उन्हें सुरक्षा के नज़रिए से बेटियों के बदन पर छोड़ दिया जाना चाहिए। ताकी वो आगे भी उनकी रक्षा करें। सोने के गहने युवा लड़कियों को बुरी नजर के खिलाफ ताबीज के रूप में पहनाए जाते थे।

किसान पर मगरमच्छ ने किया हमला पति को बचाने नदी में कूदी पत्नी...

भारतीय लोककथाओं में सावित्री और सत्यवान की कहानी काफी लोकप्रिय है। आपने भी इनकी कहानी सुनी होगी। पतिव्रता सावित्री अपने पति को यमराज के यहां से मुक्त करा लिया था। राजस्थान के करौली जिले में कुछ इसी तरह की कहानी सामने आई है। यहां एक महिला ने अपने पति को बचाने के लिए मगरमच्छ से जा भिड़ी और उन्हें इस खतरनाक जलचर के चंगुल से छुड़ा कर ही दम लिया। विवाहिता अकेले ही लाठी लेकर मगरमच्छ से मुकाबला करने लगी। जानकारी के अनुसार, एक किसान अपनी बकरियों को चंबल नदी के आसपास चरा रहा था। कुछ देर बाद वह बकरियों को पानी पिलाने के लिए नदी की ओर चल दिया। पशुपालक किसान बकरियों को चंबल नदी में पानी पिला ही रहा था कि पहले से घात लगाकर बैठे मगरमच्छ ने उनपर हमला कर दिया। मगरमच्छ किसान के पैर को अपने जबड़े में जकड़ लिया और उन्हें नदी में खींचने लगा। किसान दर्द से कराहने और चिल्लाने लगा। उनकी आवाज सुनकर उनकी पत्नी मौके पर पहुंच गई और हालात देखकर कुछ देर के लिए भयभीत हो गई।

लेकिन उसके बाद वह संभली और पति को बचाने के लिए लाठी लेकर नदी में कूद पड़ी। महिला ने मगरमच्छ पर लाठी से हमला करना शुरू कर दिया। वह लगातार लाठी बरसा रही थी। महिला ने मगरमच्छ की आंख में लाठी घुसा दी। इससे मगरमच्छ ने किसान का पैर छोड़ दिया और वापस गहरे पानी में चला गया। मगरमच्छ और महिला के बीच तकरीबन 5 मिनट तक संघर्ष चला और आखिरकार महिला अपने पति को बचाने में सफल रही। घायल किसान को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां घायल शख्स का इलाज जारी है। महिला ने बताया कि यदि पति को बचाने में उनकी जान भी चली जाती तो कोई बात नहीं थी। उन्होंने बताया कि पति को मगरमच्छ के चंगुल से छुड़ाकर उन्होंने दूसरा जन्म लिया है। महिला ने बताया कि पति को मगरमच्छ के जबड़े से छुड़ाने के लिए जब खतरनाक जीव से जा भिड़ी तो उन्हें जरा भी भय नहीं लगा।

अजित पवार का भविष्य राकांपा में ही उज्ज्वल : राउत

शिंदे-फडणवीस से मिलने पर उद्धव शिवसेना की प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता अजित पवार के महाराष्ट्र सीएम एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस से मिलने के बाद चर्चाओं का बाजार गर्म है। शिवसेना उद्धव बालासाहेब के नेता संजय राउत के हालिया बयान ने महाराष्ट्र में विपक्ष की चिंताओं को उजागर भी कर दिया है।

उन्होंने कहा है कि अजित पवार का भविष्य राकांपा में भी ही उज्जवल है और शायद वे भाजपा में शामिल न हों। राउत ने मीडिया से बातचीत में कहा कि अजित पवार राकांपा के वरिष्ठ नेता हैं। मुझे नहीं लगता कि वे ऐसा कुछ करेंगे और भाजपा चले जाएंगे।

उन्होंने कहा, अजित पवार का राजनीतिक भविष्य राकांपा के साथ ही बेहतर है। इसलिए चिंता की कोई बात नहीं है। वे उनके साथ नहीं शामिल होंगे और भाजपा के गुलाम नहीं बनेंगे। हमें एनसीपी नेता अजित पवार पर पूरा भरोसा है।

जल्द करेंगे बातचीत

सामना के संपादक ने यह भी कहा कि वे अजित पवार और कांग्रेस नेता नाना पटोले के साथ आने वाले दिनों में बात करेंगे। उन्होंने कहा कि नागपुर में 16 मई हमारी रैली है और उस रैली से पहले हम उनसे बात करेंगे। इतना ही नहीं राउत ने शरद पवार को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा, राकांपा सुप्रीमो अभिभावक हैं और हम उनके साथ हैं। कल ही मैं और उद्धव ठाकरे जी ने शरद पवार के साथ कई मुद्दों पर चर्चा की। हमारा जुड़ाव फेविकोल की तरह है और कोई इसे अलग नहीं कर सकता। इस बारे में कोई भ्रम ही नहीं है। गौरतलब है कि शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार से उनके आवास पर मुलाकात की थी। दक्षिण मुंबई के सिल्वर ओक में शरद पवार के आवास पर हुई मुलाकात के दौरान शिवसेना सांसद संजय राउत भी मौजूद थे।

टंकी पर लगाया पोस्टर- अनुसूचित जाति की छात्राएं पूछकर ही लें पानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर के एसएस कॉलेज के राजकीय अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास में रहने वाली छात्राओं ने उच्च जाति की छात्राओं पर परेशान करने का आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि उनके साथ पानी पीने पर रोक-टोक की जा रही है। उच्च जाति की छात्राओं ने पानी की टंकी पर पोस्टर चस्पा कर दिया है, जिस पर लिखा है कि अनुसूचित जाति की छात्राएं पूछकर ही पानी लें। शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सरकारी छात्रावास में हुई शर्मनाक घटना

एसएस कॉलेज के पास ही अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास है। इस छात्रावास में सभी वर्गों की आर्थिक रूप से कमजोर छात्राएं रहती हैं। छात्रावास रहने वाली अनुसूचित जाति की छात्राओं ने सोमवार को चौक कोतवाली में तहरीर देकर आरोप लगाया कि सामान्य और ओबीसी जाति की ल?कियां उन्हें परेशान कर रही हैं। उनकी जाति के साथ ही को लेकर टिप्पणी करती हैं। उन्होंने डॉ. बीआर आंबेडकर की तस्वीर तक का अपमान किया।

उन्होंने बताया कि उच्च जाति की छात्राओं ने पानी की टंकी पर पोस्टर चस्पा कर दिया, जिस पर लिखा है कि पानी उनसे पूछकर लें। तहरीर मिलने के बाद मंगलवार को चौक कोतवाली इंस्पेक्टर केबी सिंह ने छात्रावास में जाकर जांच की। इंस्पेक्टर ने बताया कि इस मामले में उन्होंने छात्राओं से बात की लेकिन किसी ने कोई शिकायत नहीं की।

फोटो: सुमित कुमार

जुलूस 21वीं रमज़ान की शहादत के अवसर पर नजफ से करबला तालकटोरा तक निकाला गया ताबूत का जुलूस।

सात श्रद्धालुओं की सड़क हादसे में गई जान

बैसाखी मनाने जा रहे थे लोग, होशियापुर में हुआ बड़ा हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के होशियापुर में गुरुवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया, इस हादसे में 7 श्रद्धालुओं की मौत हो गई जबकि 10 अन्य लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि ये सभी श्रद्धालु खुरालगढ़ साहिब में बैसाखी मनाने जा रहे थे. इस दौरान ये हादसा हो गया हो गया।

गढ़शंकर के पुलिस उपाधीक्षक दलजीत सिंह ने बताया कि जान गंवाले वालों में अधिकतर लोग उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के मस्तान खेड़ा के रहने वाले हैं।

17 श्रद्धालुओं को ट्रक ने मारी टक्कर

पुलिस ने बताया कि हादसा पहाड़ियों के बीच स्थित एक क्षेत्र में हुआ है। चालक ने एक ढलान पर वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और पैदल जा रहे 17 श्रद्धालुओं को टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि ऐसा संदेह है कि ट्रक के 'ब्रेक' खराब हो गए थे। डीएसपी दलजीत सिंह ने बताया कि मृतकों की पहचान राहुल, सुदेश पाल, संतोष, अंगूरी, कुंती, गीता और रमोह के रूप में हुई है। गंभीर रूप से घायल पांच लोगों को पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ भेजा गया, जबकि अन्य का इलाज गढ़शंकर के सरकारी अस्पताल में चल रहा है. गुरु रविदास से जुड़े धार्मिक स्थल खुरालगढ़ साहिब में बैसाखी पर्व पर श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहता है।

धोनी को लगी चोट, मिल सकता है आराम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सीएसके के चोटिल खिलाड़ियों की लिस्ट दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। आईपीएल ऑक्शन में 16.25 करोड़ रुपये में खरीदे गए इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स एड़ी की चोट के कारण कुछ मैचों से बाहर हो गए हैं, जबकि तेज गेंदबाज दीपक चाहर को मुंबई इंडियंस के खिलाफ हैमस्ट्रिंग की चोट लगी थी। अब धोनी पर भी चोट का खतरा बढ़ गया हैं। चेन्नई के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने बताया कि टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी घुटने की चोट से जूझ रहे हैं और यह उनके प्रदर्शन पर प्रभाव डाल रहा है।

धोनी को टूर्नामेंट के शुरुआती मैच यानी गुजरात टाइटंस के खिलाफ ही घुटने में चोट लगी थी। इसके बाद से वह कई मैचों के दौरान लंगड़ाते हुए दिखे। हालांकि, उन्होंने चेन्नई के चारों मैचों में हिस्सा लिया है। चेन्नई ने अब तक इस सीजन में चार में से दो मैच जीते हैं और दो में हार का सामना करना पड़ा है। वहीं, काइल जेमीसन की जगह टीम में शामिल किए गए दक्षिण अफ्रीकी पेसर सिसांदा मगाला भी चोट की वजह से अगले दो हफ्ते के लिए टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उन्हें राजस्थान के खिलाफ मैच के दौरान फील्डिंग करते हुए कैच लेते वक्त अंगुली में चोट का सामना करना पड़ा था।

माही का अनोखा रिकॉर्ड

राजस्थान टॉप पर

राजस्थान रॉयल्स की यह चार मैचों में तीसरी जीत रही और संजू सैमसन के नेतृत्व वाली टीम आईपीएल 2023 की अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है। वहीं चेन्नई सुपरकिंग्स की यह चार मैचों में दूसरी शिकस्त रही। एमएस धोनी के नेतृत्व वाली सीएसके इस समय अंक तालिका में पांचवें स्थान पर काबिज है।

2023 के 17वें मैच में 17 गेंदों में नाबाद 32 रन बनाए

चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान एमएस धोनी ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बल्लेबाजी करते समय एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। एमएस धोनी ने आईपीएल 2023 के 17वें मैच में 17 गेंदों में नाबाद 32 रन बनाए। चेन्नई की टीम अपने होमग्राउंड चेपॉक स्टेडियम पर सीजन का दूसरा मुकाबला खेल रही थी। राजस्थान के सामने उसकी पारी लड़खड़ाई और एक समय उसने 113 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे। मगर धोनी ने सीएसके की पारी को संभाला और मुकाबला बेहद रोमांचक बना दिया। वह अंत तक क्रीज पर डटे रहे और इस दौरान व्यूअरशिप का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

खंभे से बांधे हाथ-पैर, सांसें उखड़ने तक पीटा

शाहजहांपुर में दिलदहलाने वाली वारदात, युवक ट्रांसपोर्ट कंपनी में था मैनेजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शाहजहांपुर में दिल दहलाने वाली वारदात हुई है। यहां एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के मैनेजर की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। चोरी के शक में कारोबारियों ने इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शाहजहांपुर में ट्रांसपोर्ट कंपनी के मैनेजर शिवम को खंभे से बांधकर डंडे बरसाने का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें शिवम के हाथ पैर एक खंभे से बांध रखे हैं और एक युवक उस पर डंडे बरसा रहा है। वीडियो जिस गोदाम का है वहां हौजरी का सामान रखा हुआ है। वहां करीब दर्जन भर लोग भी शिवम को घेरे खड़े हैं।

वीडियो में पिटाई से शिवम बेसुध होता दिख रहा है। आशंका जताई जा रही है कि आरोपियों ने शिवम को तब तक पीटा जब तक वह अधमरा नहीं हो गया।

जब उसकी सांसें उखड़ने लगी तो अस्पताल लेकर पहुंचे और लावारिस में भर्ती कराकर भाग आए। मंगलवार देर रात परिजन को सूचना मिली और वे मेडिकल कॉलेज पहुंचे तो शव देखकर सिहर गए। शिवम के पूरे शरीर पर चोटों के निशान थे, जो उसे बेरहमी से पीटने की गवाही दे रहे थे। पिता अधीश जौहरी ने बेटे का सिर पकड़ा तो उनके हाथ खून से सन गए। सिर पर भी घाव था। शव की हालत देख उन्हें यह समझने में देर नहीं लगी कि शिवम की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या की गई है। बुधवार रात सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो ने हत्या किए जाने की बात पर मुहर लगा दी।

ट्रांसपोर्ट कंपनी के मालिक समेत सात के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज

थाना सदर बाजार पुलिस ने शिवम के पिता की तहरीर पर व्यापारी नेता नीरज गुप्ता और ट्रांसपोर्ट कंपनी के मालिक बंकिम सूरी समेत सात लोगों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस ने इस मामले में ट्रांसपोर्टर समेत छह लोगों को हिरासत में लिया है। चौक कोतवाली इलाके के मोहल्ला अजीजगंज में रहने वाले अधीश जौहरी के मुताबिक उनका बेटा शिवम जौहरी शाहजहांपुर सूरी ट्रांसपोर्ट में सात साल से मैनेजर था। मंगलवार शाम को उसे गंभीर हालत में राजकीय मेडिकल कॉलेज में एक युवक ने लावारिस दर्शाते हुए भर्ती कराया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि शाम को ट्रांसपोर्ट कंपनी के कर्मचारी बलराम ने उन्हें शिवम को करंट लगने की सूचना दी। बताया कि वह मेडिकल कॉलेज में भर्ती है। वह परिवार वालों के साथ वहां पहुंचे तो मोर्चरी में शव रखा मिला। शिवम के सिर के साथ ही शरीर पर जगह-जगह चोट के निशान थे।

कल शादी के लिए लड़की देखने था जाना

बेटे की मौत के बाद अधीश जौहरी पूरी तरह से टूट गए। वह अपने बेटे शिवम के सहारे ही जिंदगी काट रहे थे। 1998 में उनकी पत्नी का देहांत हो गया था। वर्ष 2016 में उनके बड़े बेटे की दिल्ली में हार्टअटैक से मौत हो गई थी। शिवम ही उनका सहारा था। वह घर में बहू लाने की तैयारी में थे। अधीश के अनुसार 14 अप्रैल को शिवम को लड़की देखने जाना था। ट्रांसपोर्ट कंपनी के मुनीम की मौत की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई। मामले में जांच की जा रही है, जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। -एस. आनंद, एसपी

स्कूलों की पुनर्विचार याचिका हाईकोर्ट ने की खारिज

» प्राइवेट स्कूलों को लौटानी होगी कोरोनाकाल की फीस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कोरोना काल के दौरान निजी स्कूलों द्वारा सत्र 2020-21 में वसूली गई फीस में इसमें से 15 फिसदी प्रातिशत अभिभावकों को लौटाने के अपने आदेश पर पुनर्विचार करने से इनकार कर दिया है और निजी स्कूलों की पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी है।

कोर्ट ने कहा कि वह अपने निर्णय में सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद ही स्कूलों को फीस लौटाने के आदेश दिया गया था। फैसले में ऐसी कोई त्रुटि नहीं दिखाई देती है। जिसमें इस पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता हो। कोर्ट ने आगे कहा कि फैसले पर पुनर्विचार करते समय यह अदालत अपीलेट कोर्ट की तरह निर्णय की मेरिट पर विचार नहीं कर सकती है और न ही मामले की फिर से सुनवाई की इजाजत दी जा सकती है। स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन व अन्य की पुनर्विचार अर्जी को खारिज करते हुए न्यायमूर्ति महेश चंद त्रिपाठी और न्यायमूर्ति जेजे मुनीर की खंडपीठ ने उक्त आदेश दिया। प्रक्रिया को पूरा करने के लिए हाईकोर्ट ने सभी स्कूलों को 2 महीने का समय दिया था।

बीबीसी पर ईडी ने दर्ज किया केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय ने बताया कि गुरुवार (13 अप्रैल) को उसने विदेशी मुद्रा उल्लंघन के मामले में बीबीसी इंडिया के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। ऐसा पहली बार है जब बीबीसी के खिलाफ भारत में ऐसी कोई कार्रवाई की गई है।

इस साल फरवरी 2023 में आयकर विभाग के अधिकारियों ने दिल्ली स्थित बीबीसी दफ्तर में छापेमारी की थी और उससे जुड़े दस्तावेजों की जांच भी की थी। आयकर विभाग ने इस मामले पर आधिकारिक बयान देते हुए कहा था वो एफडीआई उल्लंघन के एक मामले में बीबीसी की जांच करेंगे। इसी सिलसिले में आज ईडी ने बीबीसी पर विदेशी मुद्रा उल्लंघन कानून के तहत मामला दर्ज कर लिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक ईडी ने फेमा के तहत कंपनी के कुछ अधिकारियों को संस्थान से जुड़े दस्तावेज और बयान दर्ज कराने को भी कहा है। हालांकि खबर लिखे जाने तक बीबीसी ने इस मुद्दे पर अपनी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

फोटो: सुमित कुमार

सतर्कता एक बार फिर कोरोना की दस्तक, स्कूल प्रशासन से मास्क को लेकर की सख्ती... बिना मास्क के नहीं मिलेगा स्कूल में प्रवेश। गुरुवार को बड़ी संख्या में बच्चे मास्क लगाकर स्कूल पहुँचे।

बठिंडा मिलिट्री स्टेशन गोलीबारी कांड : 24 घंटे बाद भी नहीं मिला चार आर्मी जवानों के कातिलों का सुराग, सर्च अभियान जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बठिंडा (पंजाब)। बठिंडा के मिलिट्री स्टेशन में बुधवार तड़के चार आर्मी जवानों की हत्या के मामले में 24 घंटे बीत जाने के बाद भी कोई गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। मिलिट्री स्टेशन के अंदर और बाहर सर्च अभियान जारी है। स्कूल बंद हैं और लोगों को घरों से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है। वहीं चार जवानों की हत्या के बाद बुधवार दोपहर मिलिट्री स्टेशन में एक जवान की गोली लगने से मौत हो गई थी। बठिंडा कैंट पुलिस स्टेशन के एसएचओ गुरदीप सिंह ने बताया कि सर्विस हथियार की गलती से गोली चलने के कारण लघु राज शंकर की मौत हुई है। इसका बुधवार सुबह हुई चार हत्याओं से कोई संबंध नहीं है।

फोटो:4 पीएम

स्वागत उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव आज मध्य प्रदेश के खरगोन दौरे पर हैं। वे दोपहर 3 बजे ग्राम बोरावां पहुंचकर मध्यप्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री स्व.सुभाष यादव की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। मध्य प्रदेश के दौरे पर आए यादव इंदौर एयरपोर्ट पहुंचे यहां कार्यकर्ताओं ने उनका बड़े ही धूमधाम से स्वागत किया।

लालू की बेटी चंदा यादव से ईडी ने की पूछताछ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जमीन के बदले नौकरी मामले में लालू यादव के परिवार की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। ईडी ने गुरुवार को लालू यादव की बेटी चंदा यादव से पूछताछ की। इसके एक दिन पहले ही जांच एजेंसी ने लालू की बेटी रागिनी यादव से पूछताछ की थी। चंदा यादव गुरुवार को एजेंसी के सामने पेश हुई।

उनका बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज किया गया। बुधवार को उनकी बहन रागिनी यादव से पूछताछ की गई थी। इसी मामले में ईडी पहले ही उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और मीसा भारती से पूछताछ कर चुकी है। ईडी ने मार्च में चंदा यादव, उनकी बहनों रागिनी यादव, हेमा यादव और पूर्व राजद विधायक अबू दोजाना के पटना, फुलवारीशरीफ, दिल्ली-एनसीआर, रांची और मुंबई स्थित परिसरों पर छापा मारा था।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।